आम के बौर में कीट एवं रोग प्रबंधन आवश्यक

दवा का छिड़काव करें किसान, बाग में सिंचाई भी जरूरी

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 14 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है। उन्होंने बताया कि यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है। डॉ सिंह ने बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं। फलत- मंजर (बोर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानो को सलाह दी है कि प्रति मंजर (बोर) 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया कि खर्रा रोग प्रबंधन के लिए मंजर (बौर) आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। उन्होंने सलाह दी है कि जब आम में पूरी तरह फल लग जाए तब इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जब तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है। तब इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है। डॉक्टर खान ने बताया कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए आवश्यक है कि प्लेनोफिक्स 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया की आम में जब फल मटर के दाने के समान हो जाएं। तो बाग में सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिए। तथा मिट्टी में नमी बरकरार रखना चाहिए । उसके पहले सिंचाई न करें अन्यथा फल झड़ जाते हैं।

हिंदुस्तान कानपुर 15/02/2023

आ है।

कुछ अलग | चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के वैज्ञानिकों ने शहर की जलवायु के मुताबिक पौधे तैयार किए

एक ही पौधे पर आलू, टमाटर व बैंगन उगाए

■ अभिषेक सिंह

कानपुर। अब एक ही पौधे से आलू, टमाटर और बैगन तीनों मिलेंगे। इसके लिए किसी खेत या खलिहान की जरूरत नहीं है। ये घरों की छत पर लगे एक गमले पर ही उग जाएंगे। पौधे की जड़ में आलू होगा तो तने में बैगन व टमाटर लटके होंगे।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के वैज्ञानिकों ने शहर की जलवायु के मुताबिक ये पौधे तैयार किए हैं। अब किचन और रूफ गार्डेन के शौकीनों के लिए पौधे तैयार करने की तैयारी है। पौधे जैविक खाद में तैयार किए गए हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक अच्छे स्वाद संग बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

सीएसए में सब्जियों की नई तकनीक खोजने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है। सेंटर प्रभारी डॉ. डीपी सिंह के मुताबिक सब्जी अनुसंधान केंद्र, वाराणसी के वैज्ञानिकों ने नई क्रॉस प्रजाति ब्रिमाटो विकसित की थी जिसे इलाकों की जलवायु के मुताबिक विकसित किया जा रहा था। इस साल केंद्र से लाए गए पांच पौधे सेंटर में पूरी तरह विकसित हुए हैं और उनमें बैगन, टमाटर के फल दिखने भी लगे हैं।

15 से 20 रुपये लगभग है एक पौधे की कीमत

10 रुपये है एक गमले का उत्पादन खर्च

40 इंच के गमले की लागत है 150 से 200 रुपये

अगले साल से मिलने लगेंगे

डॉ. सिंह के मुताबिक, ब्रिमाटो प्रजाति के पौधों को कानपुर की जलवायु के मुताबिक विकसित कर लिया गया है। अगले साल से शहरवासियों को भी ये पौधे मिल सकें, इसके लिए विवि नर्सरी तैयार करेगा। कोविड काल में किचन रूफ गार्डेन का क्रेज तेजी से बढ़ा।

> भविष्य में जमीन की कमी होगी, तब ऐसी ही प्रजाति सफल होगी। कानपुर में भी ऐसी प्रजातियां विकसित करने को शोध होगा। इन पौधों की नर्सरी तैयार कर लोगों तक दायरा बढ़ाया जाएगा।
> -डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलपति सीएसए

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

आईपीसी, सीआरपीसी व एवीडेंस एक्ट में... 12

शहर कांग्रेस ने कैंडल मार्च निकाल पुलवामा शहीदों... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 125
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 15 फरवरी, 2023

आम के बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है और यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है। सीएसए के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने मंगलवार को बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं। तो उस पर हापर या भुनगा कीट बडी संख्या में आक्रमण करते हैं। उन्होंने बताया कि यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं। जिसके चलते मंजर (बोर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानों को प्रति मंजर (बोर) 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि खर्रा रोग प्रबंधन के लिए मंजर (बौर) आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। तथा आम में पूरी तरह फल लगने पर इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। डॉ. खलील खान ने बताया कि तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होने पर इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है। उन्होंने बताया कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए प्लेनोफिक्स 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

अधिकतम तापमान 26.00° >> न्यूनतम तापमान 11.00° >> सूर्योदय 6:43 >> सूर्यास्त 17:57 >> डॉलर 82.79 >> यू

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-133 | बुधवार, 15 फरवरी 2023 | कुल पृष्ठ 12 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

शिक्षक बच्चों को जलसरंक्षण के महत्व को समझाएं :

आम के बौर में कीट व रोग प्रबंधन पर एडवाइजरी हुई जारी

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मंगलवार को विवि के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अनिल कुमार सिंह ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है। उन्होंने बताया कि यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है। डॉ. सिंह ने बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं। तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं। फलतः मंजर झड़ जाता है। आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानो को सलाह दी है कि प्रति मंजर 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। खर्रा रोग प्रबंधन कर मंजर आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जब आम में पूरी तरह फल लग जाए तब इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जब तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है। तब इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

दि ग्राम टुडे

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, बुधवार, 15 फरवरी 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

एक नजर

आम के बौर में कीट एवं रोग प्रबंधन को लेकर एडवाइजरी जारी की

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

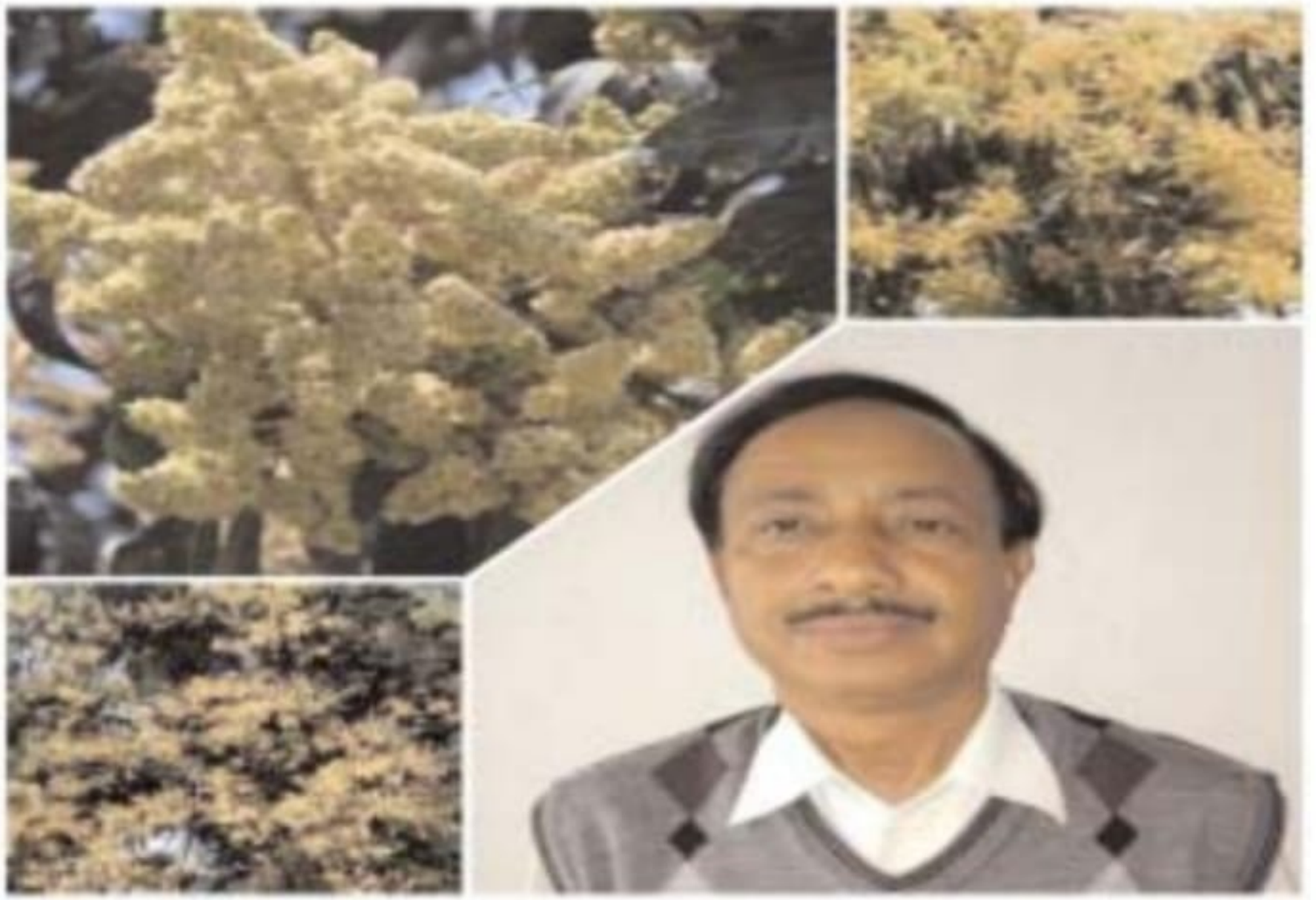

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है। उन्होंने बताया कि यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है। डॉ सिंह ने बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं। तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। यह भुनगा कीट मंजर (बौर) से रस चूसते हैं। फलत- मंजर (बोर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानो को सलाह दी है कि प्रति मंजर (बोर) 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया कि खर्रा रोग प्रबंधन के लिए मंजर (बौर) आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। उन्होंने सलाह दी है कि जब आम में पूरी तरह फल लग जाए तब इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जब तापक्रम 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है। तब इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है। डॉक्टर खान ने बताया कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए आवश्यक है कि एलेनोफिक्स 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया की आम में जब फल मटर के दाने के समान हो जाएं। तो बाग में सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिए। तथा मिट्टी में नमी बरकरार रखना चाहिए ।उसके पहले सिंचाई न करें अन्यथा फल झड़ जाते हैं।

आम के बौर में कीट एवं रोग प्रबंधन

(अनवर अशरफ) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में आम में मंजर (बौर) फरवरी माह में आना प्रारंभ कर देता है। उन्होंने बताया कि यह आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उस समय के तापक्रम पर निर्धारित होता है। डॉ सिंह ने बताया कि जब आम के पौधों पर मंजर (बौर) आते हैं। तो हापर या भुनगा कीट बहुत संख्या में आक्रमण करते हैं। यह भुनगा कीट मंजर (बौर) सेरस चूसते हैं। फलस्वरू मंजर (बौर) झड़ जाता है और आम का उत्पादन कम हो जाता है। उन्होंने बागवानो को सलाह दी है कि प्रति मंजर (बौर) 10 से 12 भुनगा कीट दिखाई दे तो इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिलीलीटर दवा प्रति 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया कि खर्रा रोग प्रबंधन के लिए मंजर (बौर) आने के पूर्व घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। उन्होंने सलाह दी है कि जब आम में पूरी तरह फल लग जाए तब इस रोग के प्रबंधन के लिए हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जब तापक्रम 35 डिग्री सेंटिग्रेड से ज्यादा हो जाता है। तब इस रोग की उग्रता में कमी अपने आप आने लगती है। डॉक्टर खान ने बताया कि आम के छोटे फलों को गिरने से रोकने के लिए आवश्यक है कि प्लेनोफिक्स 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने बताया की आम में जब फल मटर के दाने के समान हो जाएं। तो बाग में सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिए। तथा मिट्टी में नमी बरकरार रखना चाहिए उसके पहले सिंचाई न करें अन्यथा फल झड़ जाते है।

चर्चित श्याम हत्याकांड राम को मिली बंजारा हत्याकांड मे क्लीनचिट खाकी का सितम